डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 227 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 03 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, वसुंधरा कुंज रोड, मित्तल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

करोड़ों खर्च, विद्यार्थी रह गए आधे..!

चार सालों से लगातार गिर रहा सरकारी स्कूलों में प्रवेश का ग्राफ

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों पर तनख्वाह सहित योजनाओं और मदों को लेकर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन, पिछले दस साल का आंकड़ा देखे तो सरकारी स्कूलों में प्रवेश आधे रह गए है। जबकि, निजी स्कूलों के प्रवेश के आंकड़ों पर कोई फर्क नहीं पड़ा। दस साल पहले 2015-16 में सरकारी स्कूलों में प्रवेश का आंकड़ा 09 हजार 547 था। वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा घट कर 04 हजार 577 तक पहुंच गया। वहीं निजी स्कूलों में जहां दस साल पहले यह आंकड़ा 11 हजार 940 था। वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 10 हजार 664 था। इसके अलावा पिछले चार साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो नामांकन में लगातार गिरावट आई है। वहीं निजी स्कूलों का नामांकन इस दौरान बढ़ा है।

सरकारी स्कूलों में शिक्षा के नाम पर करोड़ो रुपए खर्च करने के बाद भी बच्चों को स्कूल तक लाने में शिक्षा विभाग नाकाम साबित हो रहा है। स्कूल चले अभियान जैसी योजनाओं की पोल आंकडे खोल रहे हैं। दस साल का रिकॉर्ड अगर देखा जाए तो चौंकाने वाला है। जहां एक और सरकारी स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने की मांग की जा रही है तो वहीं सुविधाओं का उपयोग करने वाले बच्चे ही कम हो रहे हैं। शासकीय स्कूलों से विद्यार्थियों का नामांकन लगातार कम होता जा रहा है। बीते 10 सालों में कक्षा एक के नामांकन में लगातार उतार-चढाव आए। लेकिन, यदि 2015 से 2024 की तुलना करें तो यह लगभग आधा ही रह गया। वहीं निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों से ज्यादा प्रवेश हो रहा है। जबकि, निजी स्कूलों की संख्या शासकीय स्कूलों से काफी कम है। 2015 में 09 हजार 547 विद्यार्थियों ने शासकीय स्कूलों की कक्षा 01ली में प्रवेश लिया था। 2024 में यही प्रवेश 04 हजार 577 रह गया। जबकि, निजी स्कूलों में 2015-16 में 11 हजार 940 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। 2024-25 में भी 10 हजार 464 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

निजी स्कूलों में बढ़ रहा विद्यार्थियों का आंकड़ा

नामांकन के आंकड़े बयां कर रहे धरातल की स्थिति...

वर्ष	शा. स्कूल	निजी स्कूल
2015-16	9547	11940
2016-17	9825	10758
2017-18	10857	12257
2018-19	8550	13623
2019-20	8730	10069
2020-21	7662	6619
2021-22	12071	8228
2022-23	9846	7791
2023-24	8932	9246
2024-25	4577	10464

यह है नामांकन की गिरती हालत की वजह...

स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए अभिभावक जब फैसला करते हैं तो वह दो बातों का ध्यान रखते हैं। एक तो स्कूल में पढ़ाई, यानी शिक्षकों की व्यवस्था व अध्ययन की गुणवत्ता। दूसरा स्कूल की संरचना यानी वहां की भौतिक व्यवस्था कैसी है। खेल कौशल से लेकर अतिरिक्त क्या-क्या सिखाया जाता है। वर्तमान में शासकीय स्कूलों की हालत दोनों ही बिंदुओं पर खराब है। न तो स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति है, न ही भौतिक व्यवस्थाएं। जिले में स्कूलों की मरम्मत के लिए ही दो साल से बजट नहीं मिल रहा है। ऐसे में अन्य सुविधाएं तो बाद में आती है। वहीं निजी स्कूलों का ढांचा भले ही विस्तृत नहीं होता। लेकिन, उसके अच्छे प्रबंधन के चलते विद्यार्थी निजी स्कूलों में प्रवेश ले लेते हैं। जबकि, शासन सालभर में सरकारी स्कूलों पर करोड़ो रुपए खर्च कर रहा है।

जिले में 1500 सरकारी स्कूल, फिर भी कम प्रवेश...

जिले में 1500 सरकारी स्कूल हैं। इनमें कक्षा 01 से 08 की पढ़ाई होती है। निजी स्कूलों की संख्या भी 500 से ज्यादा है। हालांकि, इनमें प्रवेश को लेकर स्थिति उलट है। कम स्कूलों में ज्यादा प्रवेश व ज्यादा स्कूलों में कम प्रवेश। यदि कम से कम 01 हजार स्कूलों का भी आंकड़ा लेकर चलें तो बीते वर्ष 04 हजार 577 प्रवेश के हिसाब से एक स्कूल में 04 से 05 बच्चों ने ही प्रवेश लिया। वहीं निजी स्कूलों में यह आंकड़ा अधिक रहा।

मंदसौर अंचल में दूसरे पखवाड़े में दस्तक देगा मानसून

पिछले साल से तीन दिन पहले शुरु हो जाएगी बारिश

यह रही बीते वर्षों में बारिश आगमन की स्थिति...

वर्ष	तारीख
2015	14 जून
2016	21 जून
2017	26 जून
2018	27 जून
2019	2 जुलाई
2020	16 जून
2021	18 जून
2022	27 जून
2023	25 जून
2024	23 जून

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जून के पहले और दूसरे पखवाड़े में गर्मी रहेगी। इसके बाद प्री मानसून की एक्टिविटी तेज हो जाएगी। जिले में 20 जून अर्थात जून के दूसरे पखवाड़े में मानसून दस्तक देगा और गर्मी से राहत मिलेगी। इस महीने का औसत तापमान 37 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं जून माह में 06 से 07 दिन बारिश की संभावना है। पिछले साल 23 जून को मानसून आया था।

यह कहना है मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह का। उन्होंने बताया कि मानसून का आगमन बंगाल की खाडी से होगा। यहां निम्न दाब का क्षेत्र बनने और उत्तर पश्चिम दिशा में या अरब सागर में निर्मित निम्न दाब क्षेत्र बनने से मानसून की एक्टिविटी शुरू होगी। इसके बाद जिले में मानसून दस्तक देगा। इससे तीसरे सप्ताह के बाद तापमान में राहत मिल सकती है।

पांच साल में सबसे ज्यादा तापमान जून 2024 में...

पिछले पांच साल में जून माह में अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। 2020 में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री, 2021 में 40 डिग्री, 2022 में 42.2 डिग्री, 2023 में 39.6 डिग्री और 2024 में 23 जून को अधिकतम तापमान 42.8 दर्ज किया गया।

आनंद औषधि भंडार के गोदाम में लगी आग, सात दमकलों ने चार घंटे में पाया काबू

नीमच, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र के आनंद औषधि भंडार के गोदाम में आग लग गई। गोदाम में रखी अश्वगंधा, मेथी, धनिया और अजवाइन सहित कई औषधियां जलकर राख हो गई। घटना रविवार शाम 6:30 बजे की है। किराएदार मयंक जायसवाल द्वारा संचालित इस गोदाम में आग इतनी तेज थी कि इसका धुआं कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। घटना के समय गोदाम मालिक अपने परिवार के साथ वैष्णो देवी यात्रा पर गए हुए थे।

आग पर काबू पाने के लिए नीमच नगरपालिका की 02, अफीम फैक्ट्री की 01, जीरन नगर परिषद की 01 समेत विभिन्न फैक्ट्रियों की कुल 07 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कई पानी टैंकर भी लगाए गए। आग तक सीधे पहुंचने के लिए जेसीबी से गोदाम की दीवार तोड़नी पड़ी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पास के एक गोदाम में चल रहे वेल्डिंग कार्य से उड़ी चिंगारी से आग लगी। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। आग से लाखों रुपए की क्षति हुई है। गोदाम में रखी सभी सामग्री पूरी तरह जल कर खाक हो गई। मामले में नुकसान का आकलन नहीं हो सका था।

दशोरा नागर समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया-मुख्यमंत्री

डा. यादव वर्चुअल माध्यम से दशोरा समाज की मां कुलदेवी के पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज वर्चुअल माध्यम से दशोरा नागर समाज की मां कुलदेवी एवं भगवान हाटकेश्वर के पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, श्री उल्लास वैद्य, दिनेश चंद्र दशोरा, श्री आनंद दशोरा, श्री दामोदरदास सुगंधी, श्री रविन्द्र गुप्ता, अन्य सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, मंदसौर एसडीएम श्री शाक्य, समाजजन, पत्रकार मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर दशोरा समाज के भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया। समाज के सभी को लोगों इस शुभ अवसर की शुभकामनाएं प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि, दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया है। इतिहास की बात करे तो आक्रमणों के समय धर्म को जोड़ने का काम किया है। इन्होंने आज तक अपने धर्म को बचाया है। आक्रमणों के बावजूद भी व्यापार व्यवसाय को कायम रखा। दशोरा समाज कलम का धनी है, इसके साथ भोजन एवं तरह-तरह के पकवान बनाने में भी दशोरा समाज निपुण है। सभी बहनों को आज गर्व करने का समय है। सिंदूर सुहाग की रक्षा करता है, सिंदूर का महत्व क्या होता है यह हम सभी जानते हैं। सभी समाज अपनी परंपरा को बनाए रखें। देश एवं समाज के विकास में सभी सहभागी बने।

डीजे पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

गरोठ, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के रूपरा गांव में डीजे पिकअप और बाइक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा रविवार शाम को हुआ। मृतक की पहचान खजुरिया सारंग के रहने वाले आजाद पिता आनंदीलाल धोबी के रूप में हुई है।

दुर्घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक के शव को गरोठ स्थित इंदिरा गांधी शासकीय अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम में रखा गया है। गरोठ थाना प्रभारी हरीश मालवीय ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामला मनोहरलाल धाकड़ एक्सप्रेस वे कांड का...

धाकड़ समाज प्रतिनिधि मंडल डीआईजी से मिला

समाज ने सोशल मीडिया पर चल रहे रील, चुटकुले रोकने की मांग की

रतलाम, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले से निकल रहे दिल्ली-मुंबई एट लेन एक्सप्रेस वे के भानपुरा क्षेत्र में महिला के साथ अश्लील हरकत करने वाले भाजपा नेता मनोहर धाकड़ा का वीडियो सामने आया। इसके बाद से ही धाकड़ समाज के नाम पर लगातार सोशल मीडिया पर रील व चुटकले आ रहे है। इससे पूरे धाकड़ समाज की बदमानी हो रही है। धाकड़ समाज के नाम से किए जा रहे प्रचार-प्रसार को रोकने की मांग रतलाम जिले के धाकड़ समाज ने की है।

रतलाम में सोमवार दोपहर समाज के लोगों ने डीआईजी मनोजसिंह को ज्ञापन सौंपा। कहा कि मनोहर लाल धाकड़ बनी वाले ने जो कृत्य किया है, उसकी हम निंदा करते है। उसकी जाचं चल रही है। लेकिन, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप, यूट्यूब पर धाकड़ समाज के नाम पर रील व चुटकुले बनाए जा रहे है। उन पर रोक लगाई जाए। जो लोग धाकड़ समाज को बदनाम कर रहे हैं, उन पर तत्काल प्रभाव से कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में बताया गया है कि मनोहरलाल धाकड़ स्वयं थाने में उपस्थित हुआ था। न्यायालय द्वारा उसे जमानत पर रिहा किया गया। उसके बाद भी सोशल मीडिया पर जो प्रचार- प्रसार हो रहा है वह धाकड़ समाज के नाम पर हो रहा है। ना की मनोहरलाल धाकड़ पर। इससे पूरा समाज बदनाम हो रहा है।

समाज को न करें बदनाम...

समाज के लोगों ने कहा हम सभी इस कृत्य के विरोध में मनोहरलाल धाकड़ पर जो कार्रवाई होनी चाहिए, वह सभी की जाए। किंतु समाज को बदनाम न किया जाए। सोशल मीडिया पर अनेक महिलाओं के फोटो को मनोहरलाल धाकड़ से जोड़कर वीडियो बनाया जा रहा है, जिससे कई माताएं व बहने अपमानित महसूस कर रही हैं। समाज के डर से विरोध तक दर्ज नही करवा पा रही है। साइबर सेल की मदद से ऐसे यू-ट्यूबर, सोशल मीडिया एवं फेक न्यूज मीडिया चैनल को चिन्हित कर जो धाकड़ समाज के नाम को बदनाम कर रहे है उन पर कार्रवाई की जाए।

कुछ दिन पहले सामने आया था मामला...

कुछ दिन पहले मंदसौर में भाजपा नेता मनोहर धाकड़ का एक अश्लील वीडियो सामने आया था। वीडियो में वह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखे थे। वीडियो 13 मई की रात का था। एट लेन एक्सप्रेस वे पर लगे हाई सिक्योरिटी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई थी। इस मामले में एक्सप्रेस वे कंट्रोल रूम के कर्मियो को कंपनी द्वारा निकाल दिया गया है। लेकिन, खबर लिखे जाने तक उन तीनो कर्मचारियो पर कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया गया था।

दिसंबर 27 तक मिलेगी कान्ह के प्रदुषण से मुक्ति

क्षिप्रा शुद्धिकरण बेकअप प्लान पर काम शुरू, कान्ह क्लोज डक्ट से बचे शेष पानी के लिए पांच बैराज बनाने की तैयारी

उज्जैन, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। सिंहस्थ 2028 से पहले क्षिप्रा शुद्ध और प्रवाहमान होगी। मानसून काल को छोड़कर शेष 08 माह क्षिप्रा में जल प्रवाहमान मिलेगा और श्रद्धालुओं को मोक्षदायिनी के शुद्ध पानी में स्नान कर पुण्य प्राप्त करने को भी मिलेगा। इसके लिए जल संसाधन विभाग प्लान ए कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के बाद बेकअप प्लान के तहत पांच बैराज पर काम कर रहा है। इससे कान्ह का गंदा पानी क्षिप्रा में किसी हाल में नहीं मिल सकेगा। शिप्रा को प्रवाहमान रखने के लिए शेष 08 माह सेवरखेड़ी- सिलारखेड़ी योजना से पानी छोड़ा जाएगा।

सिंहस्थ 2028 से पूर्व क्षिप्रा को शुद्ध एवं प्रवाहमान बनाने की और पुख्ता कदम बढाए जा रहे हैं। इसी के तहत कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना पर काम किया जा रहा है। इससे मानसून सत्र को छोड़कर शेष 08 माह इंदौर, सांवेर, देवास से आने वाले सिवरेज वाटर को इंदौर रोड पर जमालपुरा से 30 किलोमीटर दूर गंभीर डेम के डाउनस्ट्रीम में ग्राम सिंगावदा के पास छोड़ा जाएगा। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री मयंकसिंह बताते हैं कि 4.5 मीटर बाय 05 मीटर की यह क्लोज डक्ट बनाई जा रही है। इसमें मानसून को छोडकर कान्ह से आने वाले सिवरेज पानी को सीधे सिंगावदा में छोड़ा जाएगा। नमामि शिप्रे योजना अंतर्गत क्षिप्रा शुद्धिकरण के तहत बेकअप प्लान के रूप में 05 बैराज बनाए जा रहे हैं।

वर्तमान कच्चे डेम से 200 मीटर दूर बनेगा पक्का डेम...

एसडीओ जलसंसाधन मयंक परमार के अनुसार कान्ह के त्रिवेणी पर स्थित कच्चे बांध से 200 मीटर अपस्ट्रीम की और गोठडा में नया और पक्का बैराज बनाया जा रहा है। गोठडा बैराज बेकअप प्लान के तहत बनाया जा रहा है। अभी यहां कच्चा मिट्टी का डेम बना दिया गया है। यहां बनाए जाने वाला पक्का बैराज 04.5 मीटर उंचा, 132 मीटर लंबा और 07 मीटर से अधिक मोटाई का होगा। इसमें करीब 18 गेट रहेंगे। ये गेट कडी शटर के रहेंगे या स्लूस रहेंगे, इस पर विचार जारी है। इस बैराज में 0.784 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित किया जा सकेगा। उसके बाद पानी ओवरफ्लो हो जाएगा। इसकी क्षमता 03 हजार 390 क्यूमेक की रहेगी। इसकी लागत 624.42 लाख रूपए है। 05 जून के बाद इस पर काम शुरू होने वाला है। अप स्ट्रीम सिरीज में 04 अन्य बैंराज राद्यो पिपिलिया, जमालपुरा, रामवासा, पंथ पिपलई में भी बनाए जाएंगे। खास यह है कि इन बैराजों से किसान अपनी जरूरत के समय पानी लिफ्ट कर ले सकेंगे।

क्षिप्रा अपने ही पानी से होगी प्रवाहमान...

कार्यपालन यंत्री मयंकसिंह बताते हैं कि मानसून के दौरान सेवरखेडी जलाशय में क्षिप्रा का पानी एकत्रित किया जाएगा। इसके बाद शेष 8 माह में जरूरत के मान से इस पानी को सिलारखेडी डेम में छोडते हुए क्षिप्रा में प्रवाहित किया जाएगा। इससे मोक्षदायिनी क्षिप्रा मानसून काल को छोड़कर शेष 8 माह अपने ही पानी से प्रवाहमान रहेगी।

बार-बार लगता जाम- मंदसौर शहर के महाराणा प्रताप चौराहा से लेकर श्री कोल्ड तक बार-बार जाम लग जाता है। इस ओर यातायात पुलिस को ध्यान देना चाहिए।

नाबालिग का अपहरण, आरोपी को पुलिस ने दबोचा

नीमच/मनासा, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र से एक 17 साल की बच्ची का अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने दबोचा है। इसे चंदामोती गांव से बघाना पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस पर 05 हजार रुपए का इनाम घोषित था। सोमवार को इसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 02 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपी शम्भू नाथ बंजारा मनासा के दांतोली गांव का रहने वाला है। ये चांदमोती गांव में खेत पर छपरा बनाकर रह रहा था। यहां से पुलिस ने इसे पकड़ा और नाबालिग को संरक्षण में ले लिया है। वहीं इस मामले में आरोपी शरण देने वाले 02 नाबालिग लड़कों को भी पकड़ा गया है। न्यायालय ने दोनों को जमानत दे दी है। दरअसल बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत 04 महीने पहले परिजन ने दर्ज कराई थी। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी का पता लगाया। बच्ची को सुरक्षित बरामद कर मेडिकल जांच के बाद परिजनो को सौंप दिया गया।

विचार-मंथन

मणिपुर में शांति बहाली का प्रयास जारी

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी।विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं है, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है।राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है।

'देशहित' से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए- देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। 'हिंदुस्थानियों के हित के हेत' इस उद्देश्य के साथ 30 मई, 1826 को भारत में हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी जाती है। पत्रकारिता के अधिष्ठाता देवर्षि नारद के जयंती प्रसंग (वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया) पर हिंदी के पहले समाचार-पत्र 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन होता है। इस सुअवसर पर हिंदी पत्रकारिता का सूत्रपात होने पर संपादक पंडित युगलकिशोर समाचार-पत्र के पहले ही पृष्ठ पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए उदंत मार्तंड का उद्देश्य स्पष्ट करते हैं। आज की तरह लाभ कमाना उस समय की पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं था। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व प्रकाशित ज्यादातर समाचार-पत्र आजादी के आंदोलन के माध्यम बने। अंग्रेज सरकार के विरुद्ध मुखर रहे। यही रुख उदंत मार्तंड ने अपनाया। अत्यंत कठिनाईयों के बाद भी पंडित युगलकिशोर उदंत मार्तंड का प्रकाशन करते रहे। किंतु, यह संघर्ष लंबा नहीं चला। हिंदी पत्रकारिता के इस बीज की आयु 79 अंक और लगभग डेढ़ वर्ष रही। इस बीज की जीवटता से प्रेरणा लेकर बाद में हिंदी के अन्य समाचार-पत्र प्रारंभ हुए। आज भारत में हिंदी के समाचार-पत्र सबसे अधिक पढ़े जा रहे हैं। प्रसार संख्या की दृष्टि से शीर्ष पर हिंदी के समाचार-पत्र ही हैं। किंतु, आज हिंदी पत्रकारिता में वह बात नहीं रह गई, जो उदंत मार्तंड में थी। संघर्ष और साहस की कमी कहीं न कहीं दिखाई देती है। दरअसल, उदंत मार्तंड के घोषित उद्देश्य 'हिंदुस्थानियों के हित के हेत' का अभाव आज की हिंदी पत्रकारिता में दिखाई दे रहा है। हालाँकि, यह भाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन बाजार के बोझ तले दब गया है। व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि जब तक अंश मात्र भी 'देशहित' पत्रकारिता की प्राथमिकता में है, तब तक ही पत्रकारिता जीवित है। आवश्यकता है कि प्राथमिकता में यह भाव पुष्ट हो, उसकी मात्रा बढ़े। समय आ गया है कि एक बार हम अपनी पत्रकारीय यात्रा का सिंहावलोकन करें। अपनी पत्रकारिता की प्राथमिकताओं को जरा टटोलें। समय के थपेड़ों के साथ आई विषंगतियों को दूर करें। समाचार-पत्रों या कहें पूरी पत्रकारिता का अपना अस्तित्व बचाना है, तब उदंत मार्तंड के उद्देश्य को आज फिर से अपनाना होगा। अन्यथा सूचना के डिजिटल माध्यम बढ़ने से समूची पत्रकारिता पर अप्रासंगिक होने का खतरा मंडरा ही रहा है। असल में आज की पत्रकारिता के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां मुंहबाए खड़ी हैं। यह चुनौतियां पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से डिगने के कारण उत्पन्न हुई हैं। पूर्वजों ने जो सिद्धांत और मूल्य स्थापित किए थे, उनको साथ लेकर पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन की ओर जाती, तब संभवतः कम समस्याएं आतीं। क्योंकि मूल्यों और सिद्धांतों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यवसाय में मर्यादा और नैतिकता का ख्याल रखा जाता है। किंतु, जैसे ही हम तय सिद्धांतों से हटते हैं, मर्यादा को लांघते हैं, तब स्वाभाविक तौर पर चुनौतियां सामने आने लगती हैं। नैतिकता के प्रश्न भी खड़े होने लगते हैं। यही आज मीडिया के साथ हो रहा है। मीडिया के समक्ष अनेक प्रश्न खड़े हैं। स्वामित्व का प्रश्न। भ्रष्टाचार का प्रश्न। मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों के शोषण, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रश्न हैं। वैचारिक पक्षधरता के प्रश्न हैं। 'भारतीय भाव' को तिरोहित करने का प्रश्न। इन प्रश्नों के कारण उत्पन्न हुआ सबसे बड़ा प्रश्न- विश्वसनीयता का है। यह सब प्रश्न उत्पन्न हुए हैं पूँजीवाद और कम्युनिज्म के उदर से। सामान्य-सा फलसफा है कि बड़े लाभ के लिए बड़ी पूँजी का निवेश किया जाता है। आज अखबार और न्यूज चैनल का संचालन कितना महंगा है, हम सब जानते हैं। अर्थात् मौजूदा दौर में मीडिया पूँजी का खेल हो गया है। एक समय में पत्रकारिता के व्यवसाय में पैसा 'बाय प्रोडक्ट' था। लेकिन, उदारीकरण के बाद बड़ा बदलाव मीडिया में आया है। 'बाय प्रोडक्ट' को प्रमुख मान कर अधिक से अधिक धन उत्पन्न करने के लिए धन्नासेठों ने समाचारों का ही व्यवसायीकरण कर दिया है। यही कारण है कि मीडिया में कभी जो छुट-पुट भ्रष्टाचार था, अब उसने संस्थागत रूप ले लिया है। वहीं, कम्युनिस्टों ने अपनी विचारधारा के प्रसार और भारतीयता को कमजोर करने के लिए पत्रकारिता को एक साधन के रूप में अपनाया। आज भी मीडिया में कम्युनिस्टों की पकड़ साफ दिखायी देती है। इसलिए वे जब चाहते हैं, भारत विरोधी विमर्श खड़े कर देते हैं। इस्लामिक आक्रामकता पर पर्दा डालने और हिन्दुओं को सांप्रदायिक सिद्ध करने में कम्युनिस्ट पत्रकारों ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया है। अभी हाल ही में भोपाल में 'लव जिहाद' का बड़ा मामला सामने आया, जिसमें आरोपी मुस्लिम लड़के भी स्वीकार कर रहे हैं कि हिन्दू लड़कियों को धोखे स फंसाना और उनका यौन शोषण करना, उनके लिए सवाब का काम है। जब हिन्दी के प्रमुख समाचारपत्रों ने मुस्लिम लड़कों की इस स्वीकारोक्ति को प्रकाशित किया, तब कम्युनिस्ट माइंडसेट के मीडियाकर्मियों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने संस्थानों के डिजिटल एवं प्रिंट संस्थानों में इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। मतलब सच सामने नहीं आना चाहिए। भले ही हिन्दू लड़कियां मजहबी दरिंदों का शिकार होती रहें। पता नहीं उन्हें सच्ची बात लिखना, सांप्रदायिकता और मुस्लिम विरोध क्यों लगता है? इस्लामिक अपराध पर पर्दा डालने के लिए इसी प्रकार के कम्युनिस्ट एक से बढ़कर एक चालाकियां दिखाते हैं। जब कोई मौलवी दुष्कर्म या किसी आपराधिक कृत्य में पकड़ा जाता है, तब ये उसके लिए मौलवी या औलिया नहीं अपितु साधु या बाबा शब्द का उपयोग करते हैं। लोगों को इसी प्रकार भ्रमित करने की पत्रकारिता कम्युनिस्टों ने की है। हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग के समाचार को सिंगल कॉलम में कहीं छिपा दिया जाता है, जबकि मुस्लिम व्यक्ति की मॉब लिंचिंग पर भारत से लेकर अमेरिका तक के समाचारपत्रों के प्रथम पृष्ठ से लेकर संपादकीय पृष्ठ तक रच दिए जाते हैं। यह दोहरा आचरण ही दोनों समुदायों के बीच नफरत फैलाता है।

ऐसे ही कुछ तथाकथित विद्वानों ने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका विपक्ष की है। जिस प्रकार विपक्ष ने हंगामा करने और प्रश्न उछालकर भाग खड़े होने को ही अपना कर्तव्य समझ लिया है, ठीक उसी प्रकार कुछ पत्रकारों ने भी सनसनी पैदा करना ही पत्रकारिता का धर्म समझ लिया है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की विराट भूमिका से हटाकर न जाने क्यों पत्रकारिता को हंगामाखेज विपक्ष बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है? यह अवश्य है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए चारों स्तम्भों को परस्पर एक-दूसरे की निगरानी करनी है।

जनसंचार का सशक्त माध्यम है हिन्दी पत्रकारिता

(योगेश कुमार गोयल)

प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे है जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रुचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी 'कलकत्ता' से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख है। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान् लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

पंख अभियान के तहत बांछड़ा समुदाय के अधिकाधिक हितग्राहियों को हित लाभ प्रदान करें-चंद्रा

नीमच, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा जिले के बांछड़ा बाहुल्य गांवों में निवासरत महिलाओं ,युवाओं और हितग्राहियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार , रोजगार एवं हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण दिलाकर, हित लाभ प्रदान करे ,जिससे कि इस समुदाय के युवा एवं महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष नीमच में जिलाधिकारियों की बैठक में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित पंख अभियान नीमच की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या , संयुक्त कलेक्टर डॉ ममता खेडे , सभी एसडीएम ,डिप्टी कलेक्टर एवं जिलाधिकारी तथा बांछड़ा बाहुल्य ग्रामों के लिए पंख अभियान के तहत नियुक्त किए गए सभी नोडल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह नियमित रूप से आवंटित ग्रामों का भ्रमण करें ,बांछड़ा समुदाय के पात्र युवाओं , हितग्राहियों और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए चिन्हित कर ,उन्हें विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाए। कलेक्टर ने समुदाय के पढे -लिखे युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग कक्षाओं का संचालन करने के निर्देश भी शिक्षा विभाग ,आदिम जाति कल्याण विभाग को दिए। उन्होंने पुलिस, आर्मी एवं अन्य ऐसी परीक्षाओं की फिजिकल तैयारी के लिए भी नि:शुल्क व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बांछड़ा समुदाय के पात्र युवक- युवतियों को स्वरोजगार के लिए ब्यूटी पार्लर ,सिलाई, बकरी पालन, पशुपालन एवं अन्य व्यवसायों का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने महाप्रबंधक उद्योग को निर्देश दिए कि वह जिले में स्थापित उद्योगों में उनकी मांग के अनुरूप बांछड़ा समुदाय के युवक-युवतियों को सिलाई एवं अन्य प्रशिक्षण दिलाकर उद्योगों में अधिकाधिक युवाओं का प्लेसमेंट करवाए।

मानव जीवन की सार्थकता का आधार है ज्ञान-जोशी

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री सांई मंदिर परिसर माल गोदाम रोड पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। श्री ऋषियानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ.रविन्द्र जोशी ने कहा कि मानव की श्रेष्ठता उसके ज्ञान मे निहित है। जीवन की सार्थकता का आधार ज्ञान ही है। इन्द्रियो के बोध से होने वाला ज्ञान वास्तविक होता है। लौकिक ज्ञान से भी अधिक उपयोगिता आध्यात्मिक ज्ञान की होती है। ज्ञानार्जन से शेष सभी सद्गुण स्वत: आ जाते है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि बीडी, सिगरेट, तम्बाकू जीवन के लिये घातक है। कैन्सर, ह्रदय रोग, पक्षाघात सहित अनेक रोग इस व्यसन की देन है। निकोटिन सहित अनेक घातक नशे तम्बाकू मे है। इसकी बुराई से अवगत कराना, स्वयं बचना और सबको बचाना मानवता के लिये हितकर है। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि गुप्त दान श्रेष्ठदान है। यश, कीर्ति की अभिलाषा मे किया गया दान पुण्यदायी नही होता है। सभी पुण्य कार्य व दान स्वांतरूसुखाय होना चाहिए। विधि प्राध्यापक श्री सुनील बडोदिया, श्री सुरेश सांवरा, श्री राजकुमार जसवंत ने विचार रखे। श्री राजेन्द्र तिवारी, सुश्री वामिका पण्ड्या, श्री हरीश दवे, श्री नरेन्द्रपालसिंह राणावत ने मंगलाचरण, गीत व भजन प्रस्तुत किये। श्री निरंजन भारद्वाज, श्री अमृतराम सुनार्थी, श्री राजेन्द्र छाजेड, श्री महेश कानूनगो, श्री भेरूलाल राठौर, श्री प्रकाश चंदवानी, श्री आयुष मोदी, श्री शांतलाल सोनी ने संवाद मे सहभागिता की। संचालन आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

शिवना के बदले स्वरूप को देखकर श्रद्धालू कर रहे है प्रसन्नता जाहिर

शिवना शुद्धिकरण अभियान को हुए 33 दिन, 2 जून को नदी से निकाली 3 ट्राली कचरा व गाद

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। 1 मई से शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान को 33 दिन पूर्ण हो गये। इन 33 दिनों में मंदसौर जिले के विभिन्न अंचलों से बडी संख्या में नागरिकों ने सम्मिलित होकर शिवना नदी से कचरा, गाद, झाड़िया व जलकुंभी निकालने का प्रयास किया जिसके परिणाम स्वरूप शिवना का सौंदर्य निखरने लगा है। 33वें दिन 2 जून को घाट एवं पुलिया के समीप की गंदगी साफ कर 3 ट्राली गाद निकाली गई। आज भी रंग रोगन का कार्य जारी रहा। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं ने शिवना का परिवर्तित रूप देखकर प्रसन्नता जाहिर की।

विधायक विपिन जैन ने कहा कि शिवना का जल स्वच्छ होगा तो नगरवासियों को साफ पेयजल उपलब्ध होगा। वातावरण प्रदूषण मुक्त होगा। साथ ही शिवना नदी जो सभी की आस्था का केन्द्र है उसकी साफ और गंदगी मुक्त रखना भी हम सभी का कर्तव्य है। आपने अपील की कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग आकर श्रमदान करे। सोमवार को श्रमदान करने विधायक विपिन जैन, जल संसाधन विभाग मंदसौर से जमनाप्रसाद, संजय कुंवद, विपिन जीनगर, राहुल पाटीदार, मुकेश गुप्ता, चेनसिंह, रक्तसेवा गो सेवा फाउण्डेशन से नागेश्वर मालवीय, पुष्कर पाटीदार, सार्थक संस्था से उर्मिला तोमर, रचना दोशी, विजयलक्ष्मी रघुवंशी, अंजना पटेल, चन्द्रकलासिंह भावसार, समाजसेवी मनीष भावसार, महेश दुबे, नमन पालीवाल, राकेश जैन पिंटू, रामचन्द्र मालवीय, हेमराज खाबिया, उमेशसिंह बेस, राहुल वर्मा, विजय आनंद, निपानिया मेघराज गांव से चन्द्रप्रकाश धोबी, अमलावद गांव से इन्द्रेश कुमावत भगत, कैलाश कुमावत, महिपालसिंह, महिला नेत्री सोनाली जैन, इष्ट भाचावत, सुनीता बंडी, अनिता भदोरिया, मीना चौहान, दीपाली पोरवाल, गीताली पोरवाल, शैली पोरवाल, प्रमिला पंवार, योगिता बैरागी, कांग्रेसजन तरूण खिची, विकास दशोरा, राजनारायण लाड, संजय सोनी, कमलेश सोनी, संजय नाहर, रमेश सिंगार, साबिर इलेक्ट्रीशियन, मनोहर नाहटा, मूलचंद पाटीदार, मुकेश यादव, अजय सोनी, सादिक गौरी, विश्वास दुबे, राजेश चौधरी, गणपत कुमावत, राजेश फरक्या, रमेश ब्रिजवानी, शैलेंद्र गोस्वामी, शिव शंकर सोलंकी, अकरम खान, आमिन खान, पंकज रैकवार, राजेश खिची, योगेन्द्र गोड, मोहनपुरी गोस्वामी, सोहनलाल धाकड, नितनेश बसेर, दीपक कुमार गेहलोद, राजू मालवीय, ऋषिराज लाड, गोपाल बंजारा, राजाभाई सहित बडी संख्या में आमजन उपस्थित हुए।

सेना से सेवानिवृत होकर लौटे ऑर्डिनरी कैप्टन सुरेश परमार का हुआ स्वागत

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर संगठन द्वारा देश भक्ति, राष्ट्र सेवा को समर्पित भारत माँ के लाल और जिले की आन-बान शान और गांव खिलचीपुरा के जांबाज सैनिक ऑर्डिनरी कैप्टन सुरेश परमार अपनी 31 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होकर सकुशल अपने शहर मंदसौर में लोटे जहां पर संगठन द्वारा साफा, श्रीफल व माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया।

साथ ही शहर के सभी सामाजिक संगठन शहर नगर वासियों ने पुष्प माला व पुष्प वर्षा कर सेवानिवृत कैप्टन का स्वागत किया। संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर ने बताया कि कैप्टन साहब सेना में बडी जिम्मेदारी के साथ ही परिवार कि जिम्मेदारी और जिले के पूर्व संगठन संगठन से भी सेवाकाल से ही जुडे रहे व देश सेवा के साथ सामाजिक कार्य में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला ने कहा कि मंदसौर में करीब 773 से अधिक सैनिकों का स्वागत हुआ जिसमें जिले शहर और नगरवासी मिलकर भव्य स्वागत करते है। दशरथ सिंह चौहान ने कहा कि 31 वर्ष किसी वनवास से कम नहीं। इस दौरान भारत की सभी सीमाओं पर सेवाकर सेना में नेतृत्व भी किया ये हमारे लिए गर्व कि बात है। स्वागत यात्रा मन्दसौर रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर गांधी चौराहा, भारत माता चौराह पर भारत माता आरती के पश्चात् घंटाघर होते हुवे पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची यहां भगवान पशुपति नाथ कि पूजा कर सैनिक के निज निवास ग्राम खिलचीपुरा पर भव्य स्वागत के पश्चात सभी पूर्व सैनिकों और गणमान्य नागरिकों के सहभोज के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन मार्गदर्शक एस के त्रिपाठी, एस आर जांगीड, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, दशरथ सिंह चौहान, मोहनलाल, संगठन उपाध्यक्ष नरेंद्र खटवड, राजेंद्र सिंह शक्तावत, संतोष राव, दिलीपसिंह सिसोदिया, जुगलकिशोर विश्वकर्मा, दिलीप पाटीदार, जितेंद्र माली, नरेंद्र पाटीदार, उषा कुमावत, रामनारायण गुर्जर, आरएन मालवीय, उमेश पाटीदार, मिट्ठू सिंह सिसोदिया, शाकिर अहमद, गोविंद धाकड, ओपी अहिरवार, रघुनाथसिंह डांगी, रमेशचंद अरविंद भाटी सहित शहीद भगत सिंह अकेडमी के कैंडिडेट और अकादमी संचालक एवं दलौदा तहसील प्रभारी संतोष राव भी उपस्थित रहे।

कर्नल श्री परमार का जय भारत मंच ने किया स्वागत सम्मान– देश की आन बान शान थल सेना आर्मी में रिटार्यड कर्नल सुरेश परमार अपनी 31 वर्षीय राष्ट्र सेवा कर अपने ग्रह नगर मंदसौर पहुचने पर जय भारत मंच मंदसौर सहित नगर के गणमान्य नागरीकों एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा ढोल बाजो गगन भेदी नारो तथा पुष्पमाला और साफा पहनाकर जगह जगह सम्मानीत किया गया। यहा यह विधित हो कि थल सेना आर्मी में 31 वर्ष की गोरवपुर्ण सेवा सिकन्दराबाद, सिक्किम, जम्मु काश्मीर, पंजाब, गुजरात, नागालैंड, मणिपुर, म्यान्मार, राजस्थान, रक्षामंत्रालय दिल्ली, भोपाल हेडक्वाटर अनेक स्थानों पर अपनी सेवाए देकर केप्टन आनरी सुरेश परमार केप्टन पद से सेवानिवृति होकर अपने ग्रह नगर मंदसौर पधारे है। जिससे पुरे मे खुशी की लहर है नगर वासीयों ने जगह जगह स्वागत कर अपनी राष्ट्र भक्ति और राष्ट्र प्राम के भावों को प्रकट किया जो सराहनीय है। स्वागत अभिनंदन रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जय भारत मंच के प्रांतीय महामंत्री कमल कोठारी, प्रांतीय परामर्शदाता विनय दुबेला, मंदसौर जिलाध्यक्ष अशोकसोनी, जिला उपाध्यक्ष पंकज देशमुख, जिला मीडिया प्रभारी मनीष पारीख, राहुल रूनवाल, राजेश मंडोवारीया, मनोज मंडोवर, सत्यनारायण सोमानी, घनश्याम सोनी, ब्रजेश बिरथरे, दिलीप गवरीया, राजाराम तंवर, अजीजुल्लाहखान खालीद, बंशीलाल टांक सहीत नगर के गणमान्य नागरीक उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मनीष पारीख सर द्वारा दी गई।

केशव स्वरूपजी एक सच्चे ब्रह्मनिष्ठ महात्मा थे –आत्मस्वरूपानंदजी

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा के संस्थापक पू. स्वामी श्री केशवस्वरूपजी महाराज का 42वां महानिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) समारोह परम पूज्य स्वामी आत्मस्वरूपानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री केशव सत्संग भवन में मनाया गया।

स्वामी श्री आत्मस्वरूपानंदजी महाराज ने सन्त श्री केशव स्वरूपजी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि महात्मा कभी मरते नहीं वे अपने को कभी शरीर मानते ही नहीं उनकी चेतन आत्मा सदैव अमर रहती है। केशव स्वरूपजी एक सच्चे ब्रह्मनिष्ठ महात्मा थे और यही कारण है कि उनके द्वारा प्रवाहित सत्संग गंगा की निर्मल अविरल धारा 42 वर्षों बाद भी अनवरत प्रवाहित है। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री जगदीशचन्द्र सेठिया भी सन्त श्री ने केशव स्वरूपजी महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उपस्थित रहे- इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनलाल गेहलोद, ट्रस्टी राधेश्याम गर्ग, संतोश जोशी, जगदीश भावसार, शिवनारायण शर्मा, एडवोकेट अजय सिखवाल, प्रदीप देवडा सहित बडी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित रहे। अंत में आभार ट्रस्टी बंशीलाल टांक ने माना।

जून में अगस्त तक का राशन हितग्राहियों को एकमुश्त मिलेगा

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि, शासन के निर्देशानुसार जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होने वाला खाद्यान्न पात्र परिवारों को 3 महीने की एकमुश्त राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा। आगामी मानसून में राशन सामग्री के परिवहन, भंडारण एवं वितरण में आने वाली समस्याओं के निराकरण एवं पात्र परिवारों को समय-सीमा में राशन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जून, जुलाई एवं अगस्त का एकमुश्त राशन का वितरण माह जून से किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सभी हितग्राहियों का आधार सत्यापन, ईकेवायसी का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण करवाएं-चंद्रा

नीमच, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले की सभी आंगनवाडी केंद्रों में दर्ज महिलाओं, बच्चों और हितग्राहियों का शतप्रतिशत आधार सत्यापन, ईकेवायसी एवं फेस केप्चरिंग का कार्य तीन दिवसीय अभियान चलाकर पूर्ण करवाएं। इसी माह जून में उक्त कार्य पूर्ण करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला पोषण समिति की बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के विभागीय कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू, सुश्री प्रीति संघवी संघवी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या, सभी जिला अधिकारी, सभी सीडीपीओ, सेक्टर सुपरवाईजर उपस्थित थी। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने एनआरसी में मेस एवं सेम श्रेणी के बच्चों को लाकर भर्ती करवाने के कार्य की सराहना करते हुए कहा, कि एनआरसी में निर्धारित सभी सीटों पर बच्चों को भर्ती करवाकर, उनके स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाए। यह कार्य निरंतर जारी रहे। कलेक्टर ने कहा, कि आगंनवाडी में 1 से 15 जून 2025 तक की अवकाश अवधि में भी हर दिन मेम एवं सेम श्रेणी के बच्चों को लक्षित कर, उन्हें नियमित रूप से पोषण आहार, टीएचआर प्रदान किया जावे। कलेक्टर ने पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज नाश्ता व गर्म पका हुआ भोजन वितरण के आंकडे (प्रगति) पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा, कि जून माह में दर्ज 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों, हितग्राहियों को गर्म पका हुआ भोजन एवं नाश्ता अनिवार्य रूप से वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी सेक्टर सुपरवाईजर्स कोनिर्देश दिए, कि वे नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करें और सतत मॉनिटरिंग करें तथा सभी विभागीय पैरामीटर्स पर अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कोज्या, ताल एवं जाट की सेक्ट्र सुपरवाईजर द्वारा नियमित क्षेत्र भ्रमण कर कार्यो की प्रगति की सराहना भी की। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि मनासा क्षेत्र में परिवहनकर्ता द्वारा मई में टीएचआर का परिवहन आंगनवाडी केंद्रों तक नहीं किया गया है, तो संबंधित परिवहन कर्ता का मई माह का भुगतान नहीं किया जाए। उन्होने प्रधानमंत्री मातृ वंदना के वार्षिक लक्ष्य को मासिक लक्ष्य में विभाजित कर उसके अनुरूप मासिक लक्ष्य की पूर्ति हर माह करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने नापतोल विभाग से आंगनवाडी केंद्रों की सभी वजन मशीनों की जाँच करवाकर खराब मशीनों को दुरस्त करवाने के निर्देश दिए तथा जो मशीन ठीक न हो सकती है, उनके स्थान पर नई मशीनों के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने 15 जून के पूर्व आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकों के माध्यम से दर्ज महिलाओं बच्चों और हितग्राहियों का सर्वेक्षण कर सत्यापन करवाने के निर्देश भी दिए। उन्होने तीनों एसडीएम को आंगनवाडी केंद्रों के सुव्यवस्थित संचालन की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने तथा लापरवाही, उदासीनता बरतने वाली कार्यकर्ताओं के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

संजय दायमा ने सिविल हास्पिटल शामगढ़ में नवीन एंबुलेंस दान की

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी श्री संजय दायमा ने सिविल हॉस्पिटल शामगढ में 8 लाख रुपए की नवीन एंबुलेंस दान की। ये तहसील शामगढ, ग्राम पिछला खेडी के निवासी है। समाजसेवी स्वर्गीय श्री राजू भाई दायमा (बंजारा) की पूर्ण स्मृति में सुपुत्र श्री संजय दायमा एवं मनीष दायमा द्वारा उक्त दान दिया है। यह एंबुलेंस रोगी कल्याण समिति शामगढ द्वारा संचालित की जाएगी, जो क्षेत्र में मरीजों के लिए आकस्मिक दुर्घटना के समय कार्यरत रहेगी। श्री संजय एवं श्री मनीष द्वारा एंबुलेंस की चाबी रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक श्री हरदीप सिंह डंग एवं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर श्री मनीष दानगढ को प्रदान की। इस अवसर पर विधायक एवं बीएमओ द्वारा श्री संजय एवं श्री मनीष दायमा को शाल श्रीफल प्रदान करते हुए बंजारा समुदाय के इष्टदेवता रूप सिंह महाराज एवं मां महिषासुर मर्दिनी माता की तस्वीर भेंट करते हुए आभार पत्र भी प्रदान किया।

शासकीय देव स्थानों की जमीनों को सूचीबद्ध कर उनका संरक्षण करें-चंद्रा

अतिक्रमण एवं रास्ता विवाद से संबंधित सभी प्रकरणों का 15 जून से पूर्व मौके पर निराकरण करें, कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी राजस्व अधिकारी शासकीय जमीनों पर अतिक्रमण रास्ता विवाद से संबंधित सभी प्रकरणों का मौके पर निराकरण कर, रास्तान अवरूद्ध करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करें। अतिक्रामकों द्वारा यदि आदेश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है, तो संबंधित के विरूद्ध सिविल जेल की कार्यवाही भी करें। रास्तों पर अतिक्रमण एवं सीमांकन के सभी प्रकरणों का 15 जून तक निराकरण कर, मौके पर रास्ता उपलब्ध करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टारेट सभाकक्ष नीमच में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर डॉ. ममता खेडे, श्री राजेश शाह, सभी एसडीएम, श्री पवन बारिया, श्री संजीव साहू एवं सुश्री प्रीती संघवी, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे, श्रीमती किरण आंजना, श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे सभी शासकीय, देव स्थानों की जमीनों को संरक्षित करने के लिए देव स्थानों की जमीनों का सर्वे करवाकर, गूगल शीट में निर्धारित प्रारूप में रिर्पोट प्रस्तुत करें। जिसमें देव स्थान का नाम, गांव, देव स्थान के नाम किस गांव में कितनी जमीन है, उन पर यदि अतिक्रमण है, तो उसकी जानकारी एवं पुजारी नियुक्त है अथवा नहीं। इसकी जानकारी निर्धारित प्रारूप में कलेक्टर कार्यालय में 20 जून तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाएं। साथ ही मंदिर की जमीनों पर से अवैध अतिक्रमण कब्जा2 भी सख्तीा से हटवाएं। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को उनके क्षेत्र में दर्ज वक्फ संपत्तियों का मौका सत्यापन कर, निर्धारित प्रारूप में रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने शासकीय जमीनों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा, कि सभी राजस्व अधिकारी शामिलात खाते दर्ज शासकीय जमीनों के नक्क्षा तरमीम, बंटाकन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करवाएं। उन्होने सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा एवं विवादित नामांतरण बंटवारा के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने खसरा ई-केवायसी कार्य की प्रगति की तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए, कि शेष ई-केवायसी कार्य शतप्रतिशत पूर्ण करवाएं। बैठक में कलेक्टर ने आरसीएसएम में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए आदेशों का अनुपालन करने के निर्देश दिए। उन्होने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का तत्परतापूर्वक निराकरण करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टसर ने 50 दिवस से अधिक की शिकायत का निराकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश भी दिए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	39	1992	2197
उडद	6	3701	5780
सोयाबीन	6534	3701	4225
गैहु	9897	2300	2790
चना	399	4800	5407
मसुर	166	5757	6262
धनिया	214	5000	7000
लहसुन	18000	2501	9601
मैथी	1234	3401	5730
मुंगफली	1135	3850	5080
अलसी	1116	6425	7000
सरसो	338	5851	6228
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	6	7000	11001
प्याज	3565	201	1100
कलोंजी	15	17900	21300
तुलसी बीज	4	10961	11399
डॉलर	49	5500	8680
तिल्ली	17	6900	7881
जौ	000	0000	0000
मटरसुखी	4	3164	3164
असालीया	94	6200	6490
चियाबीज	46	9030	13491

पेंशनर महासंघ ने मनाया अजीजुल्लाह खान का जन्मदिन

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मंदसौर के जिला कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री, नपा के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर, वक्फ कमेटी जिला सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच राष्ट्रीय छात्र एवं मदरसा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक एडवोकेट, श्री अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद का जन्मदिवस स्थानीय डे केयर सेंटर (पं. दीनदयाल उपाध्याय वृद्धजन सेवा केंद्र) मन्दसौर पर मनाया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ भारतमाता व सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अशोक रामावत जिलाध्यक्ष ने की। मंच पर श्री अजीजुल्ला खान खालिद, श्री रमेशचन्द्र चन्द्रे, श्री श्रवणकुमार त्रिपाठी, डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, श्री राजाराम तंवर उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री रामावत ने कहा कि पेंशनर महासंघ के संस्थापक श्री दौलतराम पटेल के साथ श्री खान ने कार्य किया है उसके पश्चात् आप श्री श्रवण कुमार त्रिपाठी की जिला कार्यकारिणी में रहे तथा अब मेरे अध्यक्षीय कार्यकारिणी में भी है। इस प्रकार श्री खान पेंशनर महासंघ की तीसरी पीढी में कार्य कर अपनी अपनी महती जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे है। श्री चन्द्रे ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र से जुडे रहकर समाज के प्रति दायित्वों का निर्वहन करना यह हमारे पूर्व जन्मों का फल है। श्री खान सामाजिक सरोकार से जुडे कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सहभागिता करते है। यह प्रशंसनीय है। उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी श्री खान के सामाजिक क्षेत्र मे योगदान पर प्रकाश डाला। डे केयर सेन्टर से प्रशस्तिपत्र का वाचन श्री अम्बालाल चन्द्रावत ने किया। सरस्वती वन्दना श्री अशोक नागदा ने व संगठन गीत श्री आनन्दीलाल पण्ड्या ने लिया। संचालन चन्द्रकान्त शर्मा ने किया। इस दौरान गीता भवन ईकाई के श्री अजीतकुमार जैन का जन्मदिन होने से दोनो बन्धुओं का शाल व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित सदस्यों ने पुष्प माला से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अशोक रामावत, श्रवण कुमार त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र चन्द्रे, डे केयर व्यवस्थापक डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, जिला सचिव चन्द्रकान्त शर्मा, कोमल वाणावर, जिला कोषाध्यक्ष अनिलकुमार क्षौत्रिय, अम्बालाल चन्द्रावत, आनन्दीलाल पण्ड्या, नगर अध्यक्ष अशोक नागदा, नगर सचिव विष्णुलाल भदानिया दिलीप काले, शिवनारायण व्यास, धर्मेंद्र शर्मा, श्याम सोनी, श्यामकुमार कुचोरिया, एस के जैन, पारस जैन व सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ नगर मंदसौर के अनेक बन्धु उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/840/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक–27.05.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती भूरीबाई पंवार पति श्यामलाल पंवार निवासी पित्याखेड़ी जागीर, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.05.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 02.07.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	सिंदपन	786/4	10.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम.सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02.07.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-13702/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/861/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक–28.05.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक सुश्री अनिता पिता राधेश्याम निवासी बदरल, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.05.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 02.07.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	सिंदपन	786/4	10.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम.सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02.07.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-13703/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

52 क्वार्टर में रह रहे सभी 48 कर्मचारियों को नोटिस दिया

सुवासरा, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर के शासकीय 52 क्वार्टर भवन के मामले में अब नया मोड आ गया है। 3 दिन पहले एसडीएम कार्यालय से तहसील द्वारा की गई जांच के अनुसार 29 अवैध शासकीय कर्मचारी में से 17 कर्मचारियों को आवास खाली करने के नोटिस मिले थे। और 12 को छोड दिया गया था। मीडिया में मामला आने के बाद सोमवार को एसडीएम कार्यालय से 52 क्वार्टर शासकीय आवास में रह रहे सभी 48 शासकीय कर्मचारियों को नोटिस थमा दिए गए। नोटिस 52 क्वार्टर आवासीय भवन में रह रहे थाना प्रभारी, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सहित अन्य लोगों को जारी किए गए एसडीएम कार्यालय से जारी हुए नोटिस के बारे में जब थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा मेरे पास कोई नोटिस नहीं आया मैंने तो यहां रहने के लिए परमिशन ले रखी है। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास भी 52 क्वार्टर आवासीय भवन के 23 और 24 नंबर के दो क्वार्टर है। जिसमें अनुपयोगी सामान रखकर ताला लगा रखा है। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को जारी हुए नोटिस में दर्शाया गया है कि विभाग के द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है और अनुपयोगी सामान से इन दोनों क्वार्टर पर कब्जा कर रखा है। तीन महीने पहले एसडीएम कार्यालय से जांच दल गठित करके इसकी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था जांच में 29 शासकीय कर्मचारी अवैध रूप से निवास करते पाए गए थे। लेकिन सोमवार को सभी क्वार्टरों पर निवास कर रहे थे शासकीय कर्मचारियों को नोटिस जारी किए गए इससे तीन माह पहले जो गठित दल ने जांच की थी उनके ऊपर सवालिया निशान खडे हो गए हैं। सोमवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि आपके पास निजी आवास होकर आप शासकीय 52 क्वार्टर आवास भवन का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसलिए तीन दिन में स्वयं इसे खाली करें अन्यथा आपके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अब देखना है की 52 क्वार्टर में निवासरत सभी शासकीय कर्मचारी को मिले नोटिस का कर्मचारी कब और किस तरह से जवाब एसडीएम कार्यालय को भेजेंगे।और जो अनाधिकृत रूप से शासकीय कर्मचारी निवास कर रहे हैं उन पर प्रशासन द्वारा आगामी कार्यवाही किस तरह से होगी। इतने वर्षो से एसडीएम के अधीनस्थ कर्मचारी जिस तरह से इन शासकीय भवनों की बंदरबांट कर रहे थे उस पर अब एसडीएम की सख्ती के बाद अंकुश लगेगा या फिर किसी नेता के दबाव में फर्जीवाडा चलता रहेगा। फिलहाल नगर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि शासकीय विभाग में कर्मचारी किस तरह से शासकीय संपत्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं।52 क्वार्टर शासकीय आवास में निवास कर रहे कुछ कर्मचारी तो अपने राजनीतिक रसूख के चलते यहां पर डटे हुए हैं।

एक शपथ, लाखों जिंदगियाँ: भोपाल में हुआ एंटी-टोबैको कॉन्क्लेव

भोपाल से शुरू हुआ जन आंदोलन, तंबाकू के खिलाफ एकजुट हुआ समाज

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एंटी टोबैको कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। समन्वय भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. पूजा त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए इस मिशन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया। यह प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य सेवा के योद्धाओं को सम्मानित कर एक प्रेरणादायक संदेश दिया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने एक साफ और साहसिक संदेश देते हुए कहा कि नशे की आदत छोड़ना आसान नहीं, लेकिन संकल्प और लक्ष्य के साथ यह संभव है। 42,000 लोगों द्वारा तंबाकू छोड़ने की शपथ को उन्होंने जान बचाने का अभियान करार दिया और कहा कि जब समाज मिलकर कार्य करता है, तभी असली परिवर्तन आता है। श्री देवड़ा ने यह भी कहा कि नशा एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार की पीड़ा का कारण बनता है। इसीलिए इस पर नियंत्रण आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने समाज को एक स्पष्ट संदेश दिया कि नशे की आदत लगना आसान है, लेकिन उससे छुटकारा पाना बेहद कठिन। जागरूकता और सतत प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एक दिन में 42,000 लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई है। उन्होंने शपथ को सामाजिक परिवर्तन की चिंगारी बताया और कहा कि अब हर एक को 1000 और लोगों तक यह संकल्प पहुँचाना होगा। श्री राजेंद्र शुक्ल ने चेताया कि अगर आने वाली पीढ़ी नशे की गिरफ्त में चली गई, तो 2047 तक भारत को विश्व की आर्थिक शक्ति बनाने का सपना अधूरा रह जाएगा। ऐसे में इस अभियान को सफल बनाने में सबकी सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में डेनासिया ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन श्री पी.के. त्रिपाठी ने कहा कि नशा समाज ही नहीं देश की एक जटिल समस्या है, जिससे निपटने के लिए नशा मुक्ति के अभियान में सबको एक साथ मिलकर आगे आना होगा। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. पूजा त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेशवासियों को तंबाकू की लत से मुक्त करना और उन्हें इसके दुष्परिणामों जैसे मुख कैंसर के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 12 मई से निरन्तर अभियान चलाकर लोगों को शपथ दिलाई गई। साथ ही तंबाकू से होने वाले नुकसान को लेकर भी जागरूक किया गया। यह तंबाकू निषेध संकल्प कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं था, बल्कि यह एक जन आंदोलन है जो लोगों को तंबाकू जैसे जानलेवा व्यसन से दूर करने का संदेश देता है। कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय भी उपस्थित थे।

विद्यालयों में व्यापक स्तर पर चलाया जायेगा पौधारोपण अभियान

स्कूल शिक्षा विभाग 50 लाख पौधों का करेगा रोपण, विद्यालयों में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के रूप में चलेगा अभियान

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में 5 जून से ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

पौध रोपण का उद्देश्य–व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत् विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है।यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना भी है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी। अभियान के दौरान बच्चों को पौधों की किस्मों और उनके फायदे की जानकारी भी साझा की जायेगी।

क्रियान्वयन की रणनीति–जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों, ग्राम में उपलब्धभूमि एवं विद्यालय की छात्र संख्या के अनुसार कार्ययोजना बनाने के लिये कहा गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठन करने को कहा गया है। समिति में वनमंडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, स्कूल प्राचार्य, समाज के प्रमुख नागरिकों को शामिल करने के लिये कहा गया है। समिति के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सहायक नोडल अधिकारी होंगे। पौध रोपण की तैयारी 4 जून तक करने के लिये कहा गया है। पौध रोपण मुख्य रूप से स्कूल परिसर, स्कूल तक जाने वाली सड़क, सार्वजनिक स्थल और अमृत सरोवर के आस-पास किया जायेगा। पौध रोपण के बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय किये जाने के लिये कहा गया है। ग्रीष्म अवकाश के बाद 15 जून से बच्चों को प्रात: सभा के समय पौधों के महत्व के बारे में बताने के लिये कहा गया है। लगाये गये पौधों के साथ एक पट्टिका होगी, जिसमें विद्यार्थी और उसकी माता का नाम भी अंकित किया जायेगा। प्रत्येक वृक्ष प्रजाति के लिये एक क्यू-आर कोड भी बनाया जा सकता है, जिससे बॉटनिकल जानकारी का डिजिटली प्रसार हो सकेगा। जिला स्तर पर कक्षा 9 से 12 के विद्यालयों में संपूर्ण कार्यक्रम के क्रियान्वयन का सुपरविजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी को और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में कार्यक्रम की निगरानी का कार्य जिला परियोजना समन्वय जिला शिक्षा केन्द्र को सौंपा गया है।

बड़े अस्पताल में मलेरिया प्रदर्शनी एवं कैंप का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया की जून माह मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जिला स्तर व ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय परिसर में मलेरिया प्रदर्शनी एवं कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें जांच उपचार लार्वा डेमोंसट्रेशन पंपलेट वितरण के साथ-साथ लोगों को मलेरिया से बचने के उपाय की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य चिकित्सा में स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जी एस चौहान एवं सिविल सर्जन डॉक्टर बी एल रावत द्वारा फीता काटकर की गई।

बारिश आने के पूर्व मलेरिया निरोधक महीना मनाया जाता है, इसका मुख्य उद्देश्य आमजन को मलेरिया के प्रति जागरूक करना है। वर्ष 2030 तक भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है, मलेरिया माह के अंतर्गत जिला स्तर व ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी एवं कर्मचारियों को स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम कार्यकर्ताओं के द्वारा घर-घर जाकर फीवर सर्वे एवं खून की जांच की जावेगी एवं वाहक जनित रोगों की रोकथाम व बचाव के बारे में जानकारी दी जावेगी, जिसका प्रारंभ प्रदर्शनी के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर सौरभ मंडवारिया पैथोलॉजिस्ट जिला चिकित्सालय के साथ मलेरिया कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुर्जरबड़िया में 22.50 लाख की लागत से दो आंगनवाड़ी भवनों का भूमि पूजन संपन्न

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। गॉव गुर्जबर्डिया में ऑगनवाडी भवनों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा (डिगॅवमाली), मंडल अध्यक्ष श्री भेरूलाल सेन पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जीवन शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि श्री शांतिलाल बादल, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वासुदेव सेन, श्री मोंहनलाल गुर्जर, उपसरपंच श्री प्रभुलाल पाटीदार, श्रीदेवीलाल चौधरी, श्री रमेंश पाटीदार, श्री लोकेश सुनार्थी, मंडल महामंत्री श्री जयंतिलाल गुप्ता, श्रीभेरूलाल पाटीदार, श्री मुकेश चन्द्रवंशी सहित ग्रामवासी उपस्थित थें।

कांम्लेक्स की दुकानें विवादों में, कलेक्टर को शिकायत

सुवासरा, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद मनासा द्वारा रानी लक्ष्मीबाई मार्ग पर निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की दुकानों की नीलामी को लेकर भारी विवाद खड़ा हो रहा है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र श्याम सोनी, कांग्रेस पार्षद सत्यनारायण लक्ष्यकर और बाबूलाल कुशवाहा ने इस मामले में जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी है।सागर मंथन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नगर परिषद ने कुल 12 दुकानों में से सिर्फ 4 दुकानों की ऑनलाइन नीलामी की प्रक्रिया बिना किसी आरक्षण व्यवस्था के शुरू की है,जो पूरी तरह से नियमों के खिलाफ है।शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह नीलामी मध्यप्रदेश नगर पालिका (चल-अचल संपत्ति अंतरण) नियम 1916 के विपरीत है। नियमों के अनुसार नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, आरक्षण व्यवस्था तथा नगर परिषद की बैठक में प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है, लेकिन इन सभी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर मनमानी ढंग से नीलामी की जा रही है।सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य अभी प्रथम मंजिल तक 50% ही पूर्ण हुआ है, तब अधूरी दुकानों में से केवल 4 दुकानों की नीलामी क्यों की जा रही है? शेष 8 दुकानों के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। इससे नगर में चर्चाओं का माहौल गर्म है कि क्या यह पूरा मामला सेटिंग और भ्रष्टाचार का हिस्सा है।कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि इस संपूर्ण नीलामी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और नीलामी से पहले नगर परिषद की बैठक में विधिवत प्रस्ताव पारित किया जाए। साथ ही नियमानुसार आरक्षण लागू कर सभी दुकानों की नीलामी पारदर्शी तरीके से की जाए, ताकि नगर की जनता का प्रशासन पर विश्वास बना रहे।शिकायत में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि प्रशासन द्वारा इस मामले में शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया, तो कांग्रेस जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। नगर परिषद की पूरे प्रकरण में सवाल उठ रहे हैं और भ्रष्टाचार की बू महसूस की जा रही है।नगर की जनता भी इस मुद्दे पर स्पष्टता चाहती है कि आखिर आधे-अधूरे निर्माण में इतनी जल्दबाज़ी क्यों? अब देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

गुर्जरबड़िया उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण का किया निरीक्षण, घटिया रेत हटाने के दिये निर्देश

गुर्जरबर्डिया, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने ग्राम गुर्जरबर्डिया में निर्माणाधीन उपस्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण का निरीक्षण किया मंडल अध्यक्ष श्री भेरूलाल सेन, मंडल महामंत्री श्री जयंतिलाल गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जीवन शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि श्री शांतिलाल बादल, उपसरपंच श्री प्रभुलाल पाटीदार एवं ग्राम में वरिष्ठजनों के साथ मिलकर भवन निर्माण का अवलोकन किया मौके पर धुलभरी एम.सेड रेत को तुरंत हटाने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दियें।

श्री बोहरा बने अल्पसंख्यक विभाग के जिला उपाध्यक्ष

मनासा, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर पंचायत के पुर्व पार्षद व कांग्रेस के कार्यकर्ता शब्बीर अली बोहरा को अ भा कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी,व प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी,म. प्र. अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असीम शेख एवं जिला प्रभारी हर्ष विजय की सहमति से अल्पसंख्यक विभाग नीमच जिले का जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया, शब्बीर बोहरा की इस नियुक्ति से बोहरा समाज मे हर्ष व्याप्त है वहीं अल्पसंख्यक समुदाय के साथ ही कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बोहरा को बधाई दी।

सरकारी स्कूलों में सीसीएलई गतिविधियों को दिया जायेगा बढ़ावा

विद्यार्थियों के लिए 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर

मंदसौर, 02 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रेंसिव ईवेल्युएशन (सीसीएलई) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के लिये 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में सीसीएलई कार्यक्रम अर्थात सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है।

सीसीएलई गतिविधियों के अंतर्गत प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल, प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद करती हैं। नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्म अवकाश के बाद बाल सभा प्रत्येक शनिवार को पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। वर्ष 2024-25 में सीसीएलई गतिविधियों की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल पर मॉड्यूल निर्माण किया गया था।

369 सांदीपनि विद्यालयों का संचालन–प्रदेश में वर्तमान में 369 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में यह विद्यालय सीएम राइज स्कूल के नाम से जाने जाते थे। वर्ष 2025 में 150 नये सांदीपनि विद्यालय संचालित होंगे। प्रदेश में सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधा सम्पन्न कर विद्यार्थियों को रोचक एवं आनंद दायक शिक्षा प्रदान करने और उनके सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से पहले चरण में 276 सांदीपनि विद्यालय शुरू किये गये थे। सांदीपनि विद्यालयों में उत्कृष्ट भवन एवं अधोसंरचना विकसित किये जाने का कार्य निरंतर प्रगतिशील है। इन विद्यालयों में निकटस्त 10 से 15 किलोमीटर की दूरी के विद्यार्थियों को स्कूल में लाने के लिये परिवहन व्यवस्था भी प्रारंभ की गई है।

कार्यालय प्राचार्य, प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-hegpgcman@mp.gov.in, Ph.& Fax No.(07422) 256291

क्रं./......./2025 मंदसौर, दिनांक-02.06.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय प्राचार्य प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के स्वामित्व व आधिपत्य की शासकीय भूमि जिसका सर्वे नं. 623 जो कि पोस्ट ऑफिस, नई आबादी, मंदसौर कस्बा मंदसौर में स्थित है। उक्त जमीन की चर्तु:सीमा इस प्रकार है-

✻ पूर्व में-ईसाई समाज का चर्च, ✻ पश्चिम में- अफीम गोदाम रोड, ✻ उत्तर में- महाविद्यालय की भूमि, ✻ दक्षिण में - पुलिस कालोनी का रोड

उक्त भूमि शासकीय भूमि है जो कि महाविद्यालय की है। उक्त भूमि को कोई व्यक्ति विक्रय, बंटवारा, रहन-बयन, कब्जा करने का प्रयास नहीं करें, क्योंकि उक्त भूमि के संबंध में अगर विक्रय या बंटवारा किया तो उसके विरुद्ध सक्षम न्यायालय में वाद प्रस्तुत कर न्यायालयीन कार्यवाही की जावेगी। कोई भी संस्था या कोई भी व्यक्ति उक्त जमीन को नहीं खरीदें क्योंकि उक्त भूमि राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर की है।

जो सूचित हो।

प्राचार्य
प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर

✻ उठावना ✻

हमारे एवं स्व. सत्यनारायण जी कबाड़ी के कंवर सा. व निखिल, गौरव, अर्चित, अंशुल, आयुष एवं कृष्णा के पूज्य फूफाजी व स्व. मोहनलाल जी कबाड़ी के दामाद श्री महेश जी मंगल (DCM) नीमच वालो का स्वर्गवास दिनाक 1 जून 2025 को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 3 जून मंगलवार को सुबह 11 बजे फतेहपुरिया मांगलिक भवन बस स्टैंड मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

ब्रजवल्लभ कबाड़ी, प्रहलाद कबाड़ी, कैलाश कबाड़ी, जगदीश कबाड़ी एवं समस्त कबाड़ी परिवार (मंदसौर)

मंदसौर से अहमदाबाद

एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे

(व्हाया-नीमच, उदयपुर)

जय श्री गणेश ट्रेवल्स

स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर

मो-9407259243, 8871603134

AJAY SENDHAV ADVOCATE
Office: 12, Chamunda Complex, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Email: as71708@gmail.com Mob. No.- 97534-41943
Residence: 613, LIG III Mukharji Nagar, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Mob. No. 93000-30939

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री जसवंत सिंह पिता श्री मोहन सिंह, निवासी- ग्राम रिचा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.) के द्वारा उनके मालिकी, आधिपत्य एवं कब्जे की सम्पत्ति जो की मकान/भूखंड क्रमांक. 193, सर्वे क्रमांक 144, ग्राम रिचा, ग्राम पंचायत रिचा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.), प.ह. क्रमांक. 14, जिसका कुल क्षेत्रफल 602.56 Sq. Ft. (56 Sq. Mtr.) है उस पर अपनी पत्नी श्रीमती देऊबाई पति श्री जसवंत सिंह, निवासी ग्राम रिचा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.) को सह स्वामी बनाया गया है, जिसका ई-पंजीयन दस्तावेज (E-REGISTERED CO-OWNERSHIP DEED) क्रमांक MP15IGR17852025A100380316, दिनांक - 27/05/2025 है, तथा उक्त संपति को मॉर्गेज (MORTGAGE) किया जा रहा है व उस पर (INDIA SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED) मे लोन लिया जा रहा है।

यह की उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई ऋण, भार या आपत्ति हो तो उक्त जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेजी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर आपत्ति प्रस्तुत करे, उपरोक्त अवधि के पश्चात किसी भी उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो।

देवास अजय सेंधव, एडवोकेट
दिनांक : 29.05.2025 12, चामुण्डा काम्पलेक्स, देवास (म.प्र.)

AJAY SENDHAV ADVOCATE
Office: 12, Chamunda Complex, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Email: as71708@gmail.com Mob. No.- 97534-41943
Residence: 613, LIG III Mukharji Nagar, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Mob. No. 93000-30939

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री भुपेंद्र सिंह पिता श्री रविंद्र सिंह, निवासी - ग्राम धतुरिया, तहसील सितामऊ, जिला मंदसौर (म.प्र.) के द्वारा उनके मालीकी, आधिपत्य एवं कब्जे की सम्पत्ति जो की मकान/भूखंड क्रमांक. 230, सर्वे क्रमांक 718 (बी), ग्राम धतुरिया, ग्राम पंचायत धतुरिया, तहसील सितामऊ, जिला मंदसौर (म.प्र.) प.ह. क्रमांक. 121, जिसका कुल क्षेत्रफल - 1904.52 Sq. Ft.(177 Sq. Mtr.) है उस पर अपनी पत्नी श्रीमती दिलखुश पति श्री भुपेंद्र सिंह, निवासी ग्राम धतुरिया, तहसील सितामऊ, जिला मंदसौर (म.प्र.) को सह स्वामी बनाया गया है, जिसका ई-पंजीयन दस्तावेज (E-REGISTERED CO-OWNERSHIP DEED) क्रमांक-MP15IGR17872025A100371588, दिनांक 26/05/2025 है, तथा उक्त संपति को मॉर्गेज (MORTGAGE) किया जा रहा है व उस पर (INDIA SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED) से लोन लिया जा रहा है।

यह की उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई ऋण, भार या आपत्ति हो तो उक्त जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस मे मय दस्तावेजी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर आपत्ति प्रस्तुत करे, उपरोक्त अवधि के पश्चात किसी भी उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो।

देवास अजय सेंधव, एडवोकेट
दिनांक : 29.05.2025 12, चामुण्डा काम्पलेक्स, देवास (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्डिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in